एम.ए. उत्तरार्द्ध – हिन्दी साहित्य – 2018–19

द्वितीय प्रश्न–पत्र – आधुनिक काव्य

समय : 3 घण्टे **उत्तीर्णांक – 36** **पूर्णांक – 100**

इकाई – 1

साकेत (नवम् सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त

नामकरण, प्रेरणास्रोत, महाकाव्यत्व, नारी भावना, रामकाव्य परम्परा में साकेत का स्थान, उर्मिला का विरह, उर्मिला का चरित्र, नवम् सर्ग का वैशिष्ट्य, प्रकृति चित्रण, युगबोध, उद्देश्य, संस्कृति निरूपण, भक्ति और दर्शन, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 2

कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा) – जयशंकर प्रसाद

हिन्दी महाकाव्य : उद्भव और विकास, कामायनी का महाकाव्यत्व, कामायनी में छायावादी तत्त्व, रूपकत्व, दर्शन, प्रमुख पात्र, प्रासंगिकता, उद्देश्य, प्रतीक योजना, काव्य सौष्ठव।

इकाई – 3

दीर्घ कविता (राम की शक्ति पूजा (निराला), परिवर्तन (पंत), असाध्य वीणा (अज्ञेय), अंधेरे में (मुक्तिबोध))

प्रतिबन्धात्मकता और दीर्घ कविता, दीर्घ कविता परम्परा और उसमें संकलित दीर्घ कविताओं का स्थान, दीर्घ कविता का शिल्प–विधान, संकलित दीर्घ कविताओं की मूल संवेदना, उद्देश्य और भाषा–शिल्प , काव्य सौष्ठव।

इकाई – 4

समकालीन कविता –

शमशेर – एक मौन, चुका भी हूँ मैं नहीं, मकई से लाल गेहूं तलवे, टूटी हुई बिखरी हुई, काल तुझसे होड़ मेरी,

रघुवीर सहाय – समझौता, भूले हुए शब्द ही, आत्महत्या के विरुद्ध, कविता बन जाती है, भारतीय

विनोद कुमार शुक्ल – मानुष मैं ही हूं, सूखा कुंआ जो मृत है, दूर से अपना घर देखना चाहिए, उपन्यास में पहले एक कविता रहती थी, शहर से सोचता हूँ

नन्दकिशोर आचार्य – बांसूरीः मोर पांख, बूढ़ा शहर, शब्द हो केवल, कुछ भी तो नहीं, लामकां है भाषा, पुनर्नवा

राजेश जोशी – देख चिड़िया, नट, रैली में स्त्रियां, भाषा की आवाज, चांद की वर्तनी

इकाई – 5

वाजश्रवा के बहाने – कुंवर नारायण, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

वाजश्रवा में मिथकीय चेतना, आधुनिकता बोध, प्रासंगिकता, नचिकेता का आत्म संघर्ष, काव्य सौष्ठव।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र तीन खंडों क्रमशः अ, ब, और स में विभक्त होगा।
2. खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
3. खंड ब में प्रत्येक इकाई से एक चुनते हुए व्याख्या संबंधी कुल 7 व्याख्या प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थी को किन्हीं 5 व्याख्याओं को अनिवार्य रूप से हल करना होगा।
4. खंड स में पांचों इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को 2 प्रश्न अनिवार्य रूप से हल करने होंगे।
5. प्रश्न–पत्र वर्तमान में निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार हो।

विस्तृत अंक योजना –

खण्ड	कुल प्रश्न	अनिवार्य प्रश्न	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	शब्द सीमा	विवरण
अ	10	10	2	20	50	खंड अ में प्रत्येक इकाई से अधिकतम 2 प्रश्न रखते हुए सभी 5 इकाइयों से कुल 10 लघुत्तरात्मक प्रश्न अनिवार्यतः पूछे जाएंगे।
ब	7	5	8	40	200	5 इकाइयों में से 7 व्याख्या संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से 5 प्रश्न अनिवार्य रूप से विद्यार्थियों को हल करने होंगे।
स	4	2	20	40	500	5 इकाइयों में से 4 आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछे जाएं –जिनमें प्रत्येक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न पूछा जाएं।

सहायक ग्रन्थ –

1. कामायनी में काव्य संस्कृति दर्शन – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
2. कश्मीर शैव दर्शन और कामायनी – डॉ. भंवर जोशी, चौखम्बा, संस्कृति सीरीज, वाराणसी
3. साकेत : एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
4. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
5. नई कविता : नये धरातल – डॉ. हरिचरण शर्मा, पदम प्रकाशन, पटना
6. शुद्ध कविता की खोज – रामधारीसिंह दिनकर
7. कविता के नये प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
8. युगचारण दिनकर – डॉ. सावित्री सिन्हा
9. दिनकर के काव्य – लीलाधर त्रिपाठी, आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी,
10. दिनकर के काव्य में युग चेतना – डॉ. पन्ना, उषा पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर–जोधपुर
11. नयी कविता के प्रबंध काव्य : शिल्प और जीवन दर्शन – डॉ. उमाकान्त
12. निराला की काव्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
13. निराला काव्य की ज्ञानदीप चेतना – रमेश चन्द्र मिश्र
14. प्रसाद की कामायनी – डॉ. मुंशीराम शर्मा
15. कामायनी अनुशीलन – डॉ. रामलाल सिंह
16. कामायनी सौन्दर्य – डॉ. फतेह सिंह
17. हिन्दी के आधुनिक महाकाव्य – डॉ. गोविन्द राम शर्मा
18. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के व्याख्याता – डॉ. उमाकान्त गोयल
19. हिन्दी महाकाव्य का स्वरूप विकास – डॉ. शम्भु सिंह
20. कामायनी का प्रवृत्तिमूलक अध्ययन – डॉ. कामेश्वर प्रसाद सिंह